भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †40

सोमवार, 25 नवंबर, 2024/4 अग्रहायण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

क्रूज़ पर्यटन संबंधी राष्ट्रीय रणनीति

†40. श्री कोटा श्रीनिवास पूजारी:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत पांच वर्षों के दौरान कर्नाटक राज्य में घरेलू पर्यटक यात्राओं (डीटीवी) और विदेशी पर्यटक यात्राओं (एफटीवी) का ब्यौरा क्या है;

(ख) सरकार द्वारा कर्नाटक राज्य में पर्यटन, यात्रा और आतिथ्य उद्योग का पुनरुद्धार करने, विशेषकर तटीय कर्नाटक में बड़े समुद्र तटों और पर्यटकों हेतु आकर्षक स्थलों का उपयोग करने के लिए क्या सक्रिय उपाय किए गए हैं/किए जाने का प्रस्ताव है;

(ग) विगत पांच वर्षों के दौरान कर्नाटक राज्य में विभिन्न पर्यटन विकास और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए कुल कितनी धनराशि आवंटित की गई है; और

(घ) क्या सरकार ने क्रूज पर्यटन संबंधी राष्ट्रीय रणनीति का प्रारूप तैयार किया है और यदि हां, तो रणनीति संबंधी दस्तावेज में किन-किन रणनीतिक आधारों की पहचान की गई है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क): वर्ष 2019-2024 के दौरान कर्नाटक राज्य में घरेलू पर्यटक यात्राओं (डीटीवी) और विदेशी पर्यटक यात्राओं (एफटीवी) के ब्योरे (आंकड़े लाख में) नीचे दिए गए हैं:

वर्ष	**डीटीवी**	**एफटीवी**
2019	2279.35	6.09
2020	774.53	1.65
2021	813.34	0.72
2022	1824.13	1.29
2023	2841.21	4.09
2024 (जनवरी-जुलाई) (अ)	1823.02	2.53

(अ): अनंतिम आंकडे

स्रोत: राज्य पर्यटन विभाग

(ख): कर्नाटक राज्य सरकार से प्राप्त सूचना के अनुसार, पर्यटन विभाग ने कर्नाटक में पर्यटन हितधारकों के लिए सर्वोत्तम पर्यटन प्रथाओं के संवर्धन के लिए अनेक पहलें की हैं। मूल रूप से कर्नाटक की तटरेखा लगभग 320 किमी लंबी है, जो दक्षिण कन्नड़, उडुपी और उत्तर कन्नड़ जिलों में फैली हुई है। इन जिलों को महत्वपूर्ण पर्यटन गंतव्यों के रुप में चिह्नित किया गया है। इसके अतिरिक्त, कर्नाटक सरकार ने कर्नाटक में बीच और तटीय पर्यटन के विकास के लिए तटीय पर्यटन विकास प्रकोष्ठ पर ध्यान केन्द्रित किया है।

(ग): पर्यटन मंत्रालय "स्वदेश दर्शन", तीर्थ स्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) संबंधी राष्ट्रीय मिशन" और 'पर्यटन अवसंरचना विकास हेतु केन्द्रीय एजेंसियों को सहायता' की योजनाओं के तहत कर्नाटक सहित देश में विभिन्न पर्यटन गंतव्यों पर पर्यटन संबंधी अवसंरचना और सुविधाओं के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केन्द्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। पर्यटन मंत्रालय ने अब अपनी स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 के तौर पर नया रूप दिया है, जिसका उद्देश्य देश में स्थायी और सुरक्षित पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों और स्थानीय सरकारों की साझेदारी में पर्यटन गंतव्यों के एकीकृत विकास के लिए एक मजबूत ढांचा तैयार करना है।

स्वदेश दर्शन 2.0 के तहत "चुनौती आधारित गंतव्य विकास" नामक एक उप-योजना का उद्देश्य हमारे पर्यटन गंतव्यों को स्थाई और सुरक्षित गंतव्यों के रूप में परिवर्तित करने हेतु सभी पर्यटन वैल्यू चैन के पर्यटक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए एक गंतव्य का समग्र विकास करना है।

कर्नाटक राज्य में उपरोक्त योजनाओं के तहत स्वीकृत, अभिज्ञात परियोजनाओं और आबंटित निधियों का ब्यौरा **अनुबंध** में दिया गया है।

(घ): पर्यटन मंत्रालय ने क्रूज पर्यटन के लिए राष्ट्रीय कार्यनीति का एक मसौदा तैयार किया है। कार्यनीति के दस्तावेज में निम्न विषयों की पहचान की गई है

(i) अवसंरचना और परिपथ सक्षमता
(ii) बाजार विकास
(ii) क्रूज पर्यटन के लिए व्यवसाय में सुगमता
(iv) क्रूज टर्मिनलों के आस-पास एकीकृत पर्यटन
(v) वित्तीय सहायता
(vi) निवेश सुविधा और संवर्धन
(vii) क्रूज पर्यटन के लिए कौशल विकास
(viii) संस्थागत ढांचा और शासन

*****

अनुबंध

श्री कोटा श्रीनिवास पूजारी द्वारा क्रूज़ पर्यटन संबंधी राष्ट्रीय रणनीति के संबंध में दिनांक 25.11.2024 को पूछे जाने वाले लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. †40 के भाग (ग) के उत्तर में **विवरण**

कर्नाटक राज्य में प्रशाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाएं

(करोड़ रु. में)

परियोजना का नाम	**स्वीकृति वर्ष**	**अनुमोदित लागत**	**जारी राशि**	**वास्तविक प्रगति%**
श्री चामुंडेश्वरी देवी मंदिर में तीर्थ सुविधाओं का विकास	2023-24	45.71	0.00	0%

कर्नाटक में स्वदेश दर्शन 2.0 के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

क्र. सं.	**गंतव्य**	**अनुभव का नाम**	**स्वीकृत लागत (करोड़ रु.)**
1.	हम्पी	'ट्रेवलर नुक्स' की स्थापना	26.30
2.	मैसूरू	टोंगा की सवारी विरासत अनुभव क्षेत्र	4.12
3.	मैसूरू	पारिस्थितिक अनुभव क्षेत्र	18.36

कर्नाटक में चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी) के तहत पहचान की गई परियोजनाओं की सूची

क्र. सं.	**गंतव्य**	**श्रेणी**	**निधिकरण राशि (करोड़ रु.)**
1.	बीदर	संस्कृति और विरासत	25.00
2.	उडुपी	इको टूरिज्म और अमृत धरोहर स्थल	10.00

*****